विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग-अष्टम्

विषय- हिंदी

|| अध्ययन-सामग्री ||

बच्चों ,आज की कक्षा में आपको 'वर्ण-विचार ' से संबंधित सामग्री दी जा रही है । आप इसे ध्यानपूर्वक पढ़ें और अपनी कांपी में लिखें । दी गई सामग्री से संबंधित चर्चा हम live class ***में करेंगे ...***

आप इस आर्टिकल में पढ़ेंगे -

1. वर्ण विचार किसे कहते हैं?
2. वर्ण किसे कहते हैं ?
3. वर्णमाला-
    1. स्वर किसे कहते हैं ?
        1. ह्रस्व स्वर-
        2. दीर्घ स्वर-
        3. प्लुत स्वर-
    2. व्यंजन किसे कहते हैं ?
    3. व्यंजन के भेद
        1. स्पर्श व्यंजन :
        2. अंतःस्थ-
        3. ऊष्म व्यंजन :
        4. सयुंक्त व्यंजन :
        5. लेख के बारे में –

वर्ण विचार किसे कहते हैं?

वर्ण किसे कहते हैं ?

भाषा की ध्वनियों को लिखने हेतु उनके लिए कुछ लिपि (चिह्न) का प्रयोग किया जाता है । ध्वनियों के इन्हीँ लिपि (चिह्नों)को 'वर्ण' कहा जाता है। यह भाषा की सबसे छोटी इकाई होती है |

वर्णमाला-

वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते हैं |
हिंदी वर्णमाला में कुल 52 वर्ण होते हैं |
वर्णमाला के दो भाग होते हैं

1. स्वर
2. व्यंजन

स्वर किसे कहते हैं ?

जिन वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है, अर्थात जिन वर्णों को हम बिना किसी दुसरे वर्णों की सहायता के बोल सकते है, उन्हें स्वर कहते हैं | हिंदी वर्णमाला में 11 स्वर होते हैं |
अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ
इनके अलावां इन वर्णाक्षर को भी स्वर माने जाते हैं
अं — पंचम वर्ण – ङ्, ञ्, ण्, न्, म् का नासिकीकरण करने के लिए (अनुस्वार)

3. प्लुत स्वर

ह्रस्व स्वर-

जिन स्वरों के उच्चारण में कम-से-कम समय लगता हैं उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं। ये चार हैं- अ, इ, उ, ऋ। इन्हें मूल स्वर भी कहते हैं।

दीर्घ स्वर-

जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों से दुगुना समय लगता है उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। ये हिन्दी में सात हैं- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

प्लुत स्वर-

ऐसे स्वर जिनके उच्चारण में हृस्व स्वर से तीन गुना अधिक समय लगता है एवं दीर्घ स्वर से थोड़ा ज्यादा समय लगता है। प्लुत स्वरों का यह चिन्ह 'ऽ' होता है।
जैसे: राऽऽम, ओऽऽम्।
Note- 'अं' और 'अः' को स्वर में नहीं गिना जाता है। इन्हें अयोगवाह ध्वनियाँ कहते हैं।

व्यंजन किसे कहते हैं ?

जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी दुसरे वर्णों के नहीं हो सकता उन्हें व्यंजन कहते हैं | हिंदी वर्णमाला में 33 व्यंजन होते हैं |

क् ख् ग् घ् ड़्

छ् ज् झ् ञ्

33 व्यंजन होते हैं |

क् ख् ग् घ् ड़्

च् छ् ज् झ् ञ्

ट् ठ् ड् ढ् ण्

त् थ् द् ध् न्

प् फ् ब् भ् म्

य् र् ल् व्

श् ष् स् ह्

क्ष त्र ज्ञ श्र

इसके अलावा दो द्विगुण व्यंजन (ड़ ढ़) को भी व्यंजन माना जाता है |

व्यंजन के भेद

व्यंजन के तीन प्रकार होते हैं:

1. स्पर्श व्यंजन
2. अंत:स्थ व्यंजन
3. ऊष्म व्यंजन

स्पर्श व्यंजन :

ऐसे व्यंजन जिनका उच्चारण करते समय जीभ कण्ठ, तालु, मूर्धा, दाँत, अथवा होठ का स्पर्श करती है, उन्हें स्पर्श व्यंजन कहते है।

इन्हें 5 वर्गों में बांटा गया है | ये निम्नलिखित 25 हैं-

'क'वर्ग-क,ख,ग,घ,ड़ (कण्ठ से बोले जाने वाले)

वर्ग-च,छ,ज,झ,ञ (तालू से बोले जाने वाले)